आईएआरआई के निदेशक ने शोध उत्कृष्टता, किसान-केंद्रित नवाचार और समर्पित प्रयासों का किया आह्वान

नई दिल्ली, 16 जनवरी 2025: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई) के निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने आज वसंत हॉस्टल मैदान में संस्थान के कर्मचारियों, संकाय और वैज्ञानिक समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और भारतीय कृषि में प्रभावशाली योगदान को और मजबूत करने के लिए समर्पित प्रयासों का आह्वान किया। अपने संबोधन में, डॉ. राव ने भारतीय कृषि के भविष्य को आकार देने में आईएआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुसंधान के परिणामों को व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तित किया जाना चाहिए ताकि कृषि उत्पादकता, स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता को बढ़ाया जा सके।

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के महत्व को स्वीकार करते हुए, डॉ. राव ने वैज्ञानिकों को प्रतिष्ठित, उच्च प्रभाव कारक अनुसंधान जर्नल में अपने शोध निष्कर्ष प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान उत्कृष्टता का लक्ष्य केवल प्रकाशन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे किसानों की वास्तविक समस्याओं का समाधान देने वाला भी होना चाहिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों के लिए समय की पाबंदी, अनुशासन और व्यावसायिक ईमानदारी के महत्व पर भी जोर दिया। डॉ. राव ने सभी से अपने कार्यों में उच्चतम स्तर की निष्ठा और ईमानदारी बनाए रखने का आग्रह किया ताकि आईएआरआई वैश्विक स्तर पर कृषि अनुसंधान में अग्रणी बना रहे। उन्होंने कहा, "हम सभी को अपने प्रयास इस दिशा में केंद्रित करने चाहिए कि संस्थान की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान और प्रभाव बढ़े।"

इसके अलावा, डॉ. राव ने कृषि में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान और बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय को नवाचार परियोजनाओं, ज्ञान प्रसार और किसान संपर्क कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया ताकि वैज्ञानिक प्रगति प्रभावी रूप से जमीनी स्तर तक पहुंच सके।

इस अवसर पर डॉ. सी. विश्वनाथन (संयुक्त निदेशक - अनुसंधान), डॉ. आर. एन. पडारिया (संयुक्त निदेशक - प्रसार) और डॉ. राजीव लाल (संयुक्त निदेशक - प्रशासन) भी उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने संस्थान के कृषि अनुसंधान और विस्तार पहलों को मजबूत करने की सामूहिक दृष्टि को और सशक्त बनाया। इस कार्यक्रम में संकाय, शोधकर्ता और कर्मचारी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रीय विकास के लिए कृषि विज्ञान को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह आयोजन इस संकल्प के साथ संपन्न हुआ कि आईएआरआई भारतीय कृषि में अपने योगदान को और अधिक सशक्त बनाएगा और किसानों के लिए अधिक लाभकारी साबित होगा।